भारत - उजबेकिस्तान संबंध

पृष्ठभूमि

भारत और उजबेकिस्तान का आपस में बहुत गहरे संबंधों का इतिहास रहा है। कंबोजा का अक्सर संदर्भ दिया जाता है, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसमें आज के उजबेकिस्तान के हिस्से संस्कृति और पाली साहित्य में शामिल हैं। कौरवों की ओर से शकों ने महाभारत में भाग लिया था। प्राचीन व्यापार मार्ग उत्तरपथ उजबेकिस्तान से होकर गुजरता था। बाद के वर्षों में उजबेकिस्तान में फेरगाना, समरकंद, बुखारा व्यापार के मार्गों पर प्रमुख शहरों के रूप में उभरे जो भारत को यूरोप एवं चीन से जोड़ते थे। विभिन्न समयों पर शक / साइथियन, मेसोडोनियन, ग्रेको - बैक्टेरियन, कुशाण साम्राज्यों ने भारत तथा आज के उजबेकिस्तान दोनों के भागों को शामिल किया तथा अन्य समय में वे पड़ोसी साम्राज्यों के हिस्से थे। कहा जाता है कि बौद्ध धर्म चीन से होते हुए उजबेकिस्तान और मध्य एशिया पहुंचा। आमिर तैमूर का जन्म शहरीसब्ज के पास हुआ था तथा बाबर उजबेकिस्तान में फरगाना से आया था। समरकंद और बुखारा में बसे भारतीय व्यापारी स्थानीय अर्थव्यवस्था के अभिन्न अंग थे। हजारों सालों की अंत:क्रियाओं से वास्तुशिल्प, नृत्य, संगीत एवं व्यंजन में घनिष्ठ सांस्कृतिक समानताएं हैं। मिर्जा गालिब तथा अमीर खुसरो उजबेक में उत्पत्ति वाले प्रख्यात भारतीय हैं। भारतीय फिल्में परम्परागत रूप से उजबेकिस्तान में लोकप्रिय हैं।

सोवियत काल के दौरान उजबेक एस एस आर के साथ भारत के साथ घनिष्ठ संबंध थे। भारतीय नेता अक्सर ताशकंद एवं अन्य स्थानों के दौरे पर जाया करते थे। पाकिस्तान के साथ ताशकंद घोषणा पर हस्ताक्षर के बाद 11 जुलाई 1966 को ताशकंद में प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री का निधन हुआ था।

अगस्त, 1991 में, सोवियत संघ रूस (यू एस एस आर) का विभाजन हुआ था और राष्ट्रपति इस्लाम करिमोव ने सुप्रीम सोवियत आफ उजबेकिस्तान के अध्यक्ष के रूप में भारत की यात्रा की। उजबेकिस्तान ने सितंबर, 1991 में अपनी स्वतंत्रता घोषित की।

राजनीतिक

7 अप्रैल, 1987 को ताशकंद में भारतीय कंसुलेट जनरल का औपचारिक रूप से उद्घाटन हुआ। उजबेकिस्तान की स्वतंत्रता के बाद, 18 मार्च, 1992 को राजनयिक एवं वाणिज्य दूतावास मामलों के प्रोटोकोल पर हस्ताक्षर करके इसका स्तर दूतावास के रूप में उन्नत कर दिया गया था।

बाद की अवधि को उच्च स्तरीय आदान प्रदान की अवधि के रूप में परिभाषित किया गया है। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने 1993 में और डॉ0 मनमोहन सिंह ने 25–26 अप्रैल, 2006 में उजबेकिस्तान की यात्रा की। राष्ट्रपति करिमोव 1991, 1994, 2000, 2005 ओर मई, 2011 में भारत की राजकीय यात्रा पर आए थे।

6 और 7 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ताशकंद का दौरा किया।

द्विपक्षीय संबंधों का प्रबंधन एक संयुक्त आयोग सहित एक संतुलित तंत्र के माध्यम से किया जाता है, जो व्यापार एवं आर्थिक संबंधों पर नजर रखता है। उजबेकिस्तान और भारत ने व्यापार, निवेश, शिक्षा, नागर विमानन, पर्यटन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, कृषि और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में करारों / समझौता ज्ञापनों / प्राटोकोलों / संयुक्त बयानों पर हस्ताक्षर किए हैं।

आर्थिक संबंध

भारत और उजबेकिस्तान के बीच व्यापार संबंध, मई, 1993 में हस्ताक्षरित व्यापार एवं आर्थिक सहयोग पर

करार द्वारा शासित होते हैं। इस करार में कई पहलुओं की व्यवस्था है, जैसे परस्पर एम एफ एन व्यवहार, आर्थिक, औद्योगिक, वैज्ञानिक तथा तकनीकी सहयोग का संवर्द्धन, जिसमें कार्मिकों का प्रशिक्षण, द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग में छोटे और मझौले उद्यमों की सक्रिय भागीदारी और काउंटर-व्यापार, आदि में सहयोग भी शामिल है। भारत और उजबेकिस्तान ने 1993 में दोहरा कराधान परिहार करार तथा मई, 1999 में द्विपक्षीय निवेश संवर्द्धन और संरक्षण करार पर भी हस्ताक्षर किए। अंत: सरकारी आयोग (आई जी सी) की बैठक नौ बार हुई थी और आखिरी सत्र 4 मई, 2011 को ताशकंद में आयोजित किया गया था।

भारत – उजबेकिस्तान द्विपक्षीय व्यापार :

वर्ष	**भारत से आयात (**मिलियन अमरीकी डालर में**)**	**भारत को निर्यात (**मिलियन अमरीकी डालर में**)**	**कुल व्यापार टर्नओवर (**मिलियन **अमरीकी डालर में)**	**पिछले वर्ष की तुलना में परिवर्तन की प्रतिशतता**
2008	79.9	11.1	91	23.80 प्रतिशत
2009	101.6	23.1	124.7	37 प्रतिशत
2010	123.8	27.2	151	21.10 प्रतिशत
2011	137.6	22.2	159.8	5.83 प्रतिशत
2012	163.4	37.82	201.2	16 प्रतिशत
2014	249.0	67.0	316.0	21.73 प्रतिशत
अक्टूबर, 2015 तक	232.2	27.6	259.8 311.76	-1.34 प्रतिशत (बहिर्वेशित)

(स्रोत : सांख्यिकी राज्य समिति उजबेकिस्तान)

भारत द्वारा उजबेकिस्तान को निर्यात की मुख्य मदों में औषधियां (ड्रग्स), अन्य औषधीय उत्पाद, कागज, काष्ठ उत्पाद, मशीनरी, परिधान और वस्त्र, चाय प्लास्टिक मदें, रसायन, सर्जिकल मदें और उपभोक्ता माल शामिल हैं। उजबेकिस्तान से भारत में आयात की ज्यादातर मदों में मशीनरी चांदी, कच्चा सूत तथा सिल्क, दालें और सेवाओं के अलावा, बींस, रसायन और अलौह धातुएं शामिल हैं।

उजबेकिस्तान की राज्य सांख्यिकी समिति के अनुसार उजबेकिस्तान के व्यापार साझेदारों में भारत 15वें स्थान पर है तथा उजबेकिस्तान के कुल व्यापार टर्नओवर में इसका हिस्सा 0.7 प्रतिशत है।

उजबेकिस्तान के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान अक्टूबर 2004 में 30 मिलियन रूपए की भारतीय सहायता से ताशकंद में भारत - उजबेक आई टी केन्द्र स्थापित करने के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत-उजबेकिस्तान जवाहर लाल नेहरू सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन ताशकंद सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (टी यू आई टी) में अप्रैल, 2006 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा उजबेकिस्तान यात्रा के दौरान किया गया था। मई, 2013 में उप राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र का उन्नयन करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे तथा उन्नयन कार्य वर्ष 2014 में पूरा किया गया है।

सांस्कृतिक संबंध :

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) के अधीन कार्यरत लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति

केंद्र की स्थापना ताशकंद में 1995 में की गई थी तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए उजबेकिस्तान में इसका एक स्वदेशी नाम है। भारतीय संस्कृति से संबंधित सेमिनार कार्यक्रमों का आयोजन करने के अलावा, यह केंद्र कथक, योग, हिंदी भाषा और तबला की नियमित कक्षाएं भी आयोजित करता है।

तीन उजबेक शैक्षिक संस्थान, राष्ट्रभर में, प्राथमिक स्तर से स्नातकोत्तर स्तर तक हिंदी भाषा की पढ़ाई को बढ़ावा देते हैं।

उजबेक रेडियो ने 2012 में हिंदी प्रसारण के 50 साल पूरे किए। उजबेक टी वी चैनल नियमित रूप से भारतीय फिल्म और सीरियल दिखाते हैं।

मास मीडिया के क्षेत्र में सहयोग पर एक प्रोटोकोल पर अक्टूबर, 1992 में हस्ताक्षर किए गए थे। तद्नुसार, मई, 2000 में राष्ट्रपति इस्लाम करिमोव की भारत यात्रा के दौरान, सूचना एवं मास मीडिया के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक अन्य प्रोटोकोल पर भी हस्ताक्षर किए गए थे। इस प्रोटोकोल में सहयोग की परिकल्पना की गई थी जिसमें टी वी कार्यक्रमों का आदान-प्रदान, पत्रकारों की यात्रा, अंतरराष्ट्रीय फिल्म फैस्टिवलों में भागीदारी, फिचर फिल्मों एवं डॉक्यूमेंट्रीज दोनों प्रकार के फिल्म निर्माताओं के बीच सहयोग, रेडियो तथा टी वी कार्मिकों की यात्रा आदि शामिल है।

उजबेकिस्तान 1993-94 से भारत के आई टी ई सी कार्यक्रम का सहयोगी है। इस समय हर साल 150 स्लाट आवंटित किए जा रहे हैं। आई टी ई सी कार्यक्रम उजबेकिस्तान में बहुत पसंद किया जाता है। प्रशिक्षण के क्षेत्र में, सूचना प्रौद्योगिकी, अंग्रेजी भाषा, प्रबंधन, पत्रकारिता, कूटनीति, लघु व्यापार आयोजना, रिमोट सेंसिंग, बैंकिंग तथा होटल प्रबंधन आदि शामिल हैं। आई सी सी आर के छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के अंतर्गत भारतीय विश्वविद्यालयों में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक रूप से 25 छात्रवृत्तियां दी जा रही हैं।

<u>भारतीय समुदाय :</u>

उजबेकिस्तान में एक छोटा किंतु जिंदादिल भारतीय समाज रहता है। मिशन इस समुदाय के साथ, अपनी वैबसाइट www.indembessy.uz और फेस बुक अकांउट indembtashkent@gmail.com. सहित, नियमित संपर्क बनाए रखता है। भारतीय समुदाय के सदस्य, स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित समारोहों में भाग लेते हैं। समुदाय विभिन्न अवसरों पर राष्ट्रीय दिवसों, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, हिंदी दिवस, होली, दिवाली तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेता है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, ताशकंद वेबसाइट :
http://eoi.gov.in/tashkent
भारतीय दूतावास, ताशकंद फेसबुक :
https://www.facebook.com/IndiaInUzbekistan

***

जनवरी, 2016